‘युवा कभी सपने देखना बंद नहीं करें’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आईआईटी जोधपुर के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को पदक दिये

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को आई.आई.टी. जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईटी जोधपुर मरुधरा की धरती पर चमकता हुआ मोती है।**

जोधपुर/जयपुर, 26 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के लिए दीक्षांत समारोह केवल एक स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला मील का पत्थर है। यहां से निकलने वाले स्नातक वह युवाशक्ति हैं, जो विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने युवाओं से आ ान किया कि वे कभी सीखना बंद न करें, कभी सपने देखना बंद न करें तथा अपने हर निर्णय में ‘भारत प्रथम’ की भावना को अपनाएं।

शर्मा गुरूवार को जोधपुर में आईआईटी, जोधपुर के 11वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा पदक विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि आपने कड़ी मेहनत, लगन और समर्पण से शिक्षा पूरी कर माता-पिता के साथ समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि आईआईटी जोधपुर मरुधरा की इस धरती में एक चमकता हुआ मोती है जो पूरे भारतवर्ष में अपनी चमक बिखेर रहा है।

इस अवसर पर आईआईटी जोधपुर के अभिशासक मंडल अध्यक्ष ए.एस. किरण कुमार ने कहा कि आईआईटी जोधपुर भारतीय उच्च शिक्षा में नवाचार और उत्कृष्टता का केन्द्र है। आज यहां से उपाधि प्राप्त स्नातक विद्यार्थियों के लिए देश एवं विश्व में रोजगार के अपार अवसर मिलेंगे।

कार्यक्रम में प्लाक्षा विश्वविद्यालय चंडीगढ के कुलपति प्रो. रूद्रप्रताप ने स्नातक की उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि आप केवल डिग्रीधारी नहीं, भारत के भविष्य निर्माता भी हैं।

मुख्यमंत्री ने आईआईटी जोधपुर संस्थान से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियां को उपाधि प्रदान कीं। साथ ही, संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण मेधावी विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में स्वर्ण पदक एवं पुरस्कार प्रदान किए।

भारत व अमेरिका में ताबड़तोड़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

■ **पर, भारत को आत्मसम्मान से ज्यादा अभी ''सर्विस सैक्टर'' जिसमें आईटी सेवा भी शामिल है, पर, भारी टैरिफ लगाए जाने के जोखिम से बचना चाहिए। क्योंकि, यह ''सर्विस सैक्टर'' ही भारत के अमेरिका को निर्यात का सबसे बड़ा हिस्सा है, उसमें थोड़ा भी नुकसान हुआ, तो भारत को बहुत भारी पड़ेगा।**

उपायों की गंभीर समीक्षा ज़रूरी है। ऐसे मुद्दे अक्सर मुक्त व्यापार समझौतों को लंबा खींच देते हैं। जैसे जापान के साथ भारत की व्यापार वार्ता में, जापान ने अपने कृषि उत्पादों पर कोई रियायत देने से इनकार कर दिया था, जिससे पूरी बातचीत टूटने के कगार पर पहुँच गई थी। जापान का तर्क था कि वे केवल जापानी किस्म के चिपचिपे चावल का ही सेवन करते हैं, जो भारत में उत्पादित नहीं होता। कई अन्य कृषि उत्पाद भी अड़चन बने थे। एक और महत्त्वपूर्ण मुद्दा यह है कि कई देश केवल माल को अन्य जगह पहुँचाने का जरिया बनकर रह जाते हैं। चीनी उत्पाद नेपाल के रास्ते भारत में प्रवेश करते हैं, क्योंकि भारत और नेपाल के बीच व्यापार पर कोई शुल्क नहीं है। वरना इन चीनी उत्पादों पर भारत में प्रवेश के समय भारी शुल्क लगाया जाता। इसलिए, वार्ताकारों को उस माल, जिसका व्यापार होता है, पर स्थानीयता के मानक तय करने होते हैं। कहीं यह 80 प्रतिशत तक होता है, तो कहीं केवल 30 प्रतिशत। मैक्सिको और अमेरिका के बीच एक बड़ा विवाद इसी मुद्दे पर है, अमेरिका ने आरोप लगाया कि मैक्सिको को चीन अमेरिका से अपने माल का ट्रांज़िट पॉइन्ट बना रहा है, इन उत्पादों में कोई मैक्सिकन सामग्री नहीं है। लेकिन रैसिप्रोकल टैरिफ टालने के लिए वर्तमान व्यापार वार्ताएँ बंदूक की नोक पर वार्ता जैसी हो गई हैं। बहुत से बारीक और गंभीर मुद्दों को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है, जो भविष्य में बड़े विवाद को जन्म दे सकते हैं।

भारत और अमेरिका के बीच माल व्यापार दोनों देशों की समग्र अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में बहुत बड़ा नहीं है। हालाँकि कुछ क्षेत्रों के लिए यह महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन समग्र रूप में इसका दोनों देशों के लिए बहुत बड़ा आर्थिक प्रभाव नहीं है। भारत के लिए जो क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण है, वह है सेवा व्यापार (सर्विस ट्रेड)। भारत का आईटी और आईटी-सेवा क्षेत्र अपने अस्तित्व के लिए अमेरिका पर निर्भर है। हमारे अधिकतर सॉफ्टवेयर और उनसे संबंधित सेवाएं अमेरिका को निर्यात होते हैं, और इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की रोक भारत के लिए गंभीर संकट खड़ा कर सकती है। वर्तमान वार्ताओं में ध्यान मुख्य रूप से माल व्यापार पर है और सेवा व्यापार को ज्यादा नहीं छेड़ा जा रहा है। इसलिए भारत को चाहिए कि वह सेवा क्षेत्र को लेकर विशेष सावधानी बरते। भले ही कुछ रियायतें देनी पड़ें, लेकिन वर्तमान स्तर को बनाए रखना और, संभव हो तो, आगे बढ़ाना, भारत के लिए बेहद जरूरी है।

एक्सिओम -4 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हार्मनी मॉड्यूल से भारतीय समयानुसार शाम साढ़े चार बजे धीरे-धीरे जुड़ गया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इसकी पुष्टि की है। ग्रुप कैप्टन शुक्ला इस मिशन के पायलट हैं। इस मिशन ने कल फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। मिशन में ग्रुप कैप्टन शुक्ला के साथ पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन, पोलैंड के स्लावोज़ उज़्नान्स्की-विस्निएव्स्की और हंगरी के टिबोर कपू गये हैं। शुक्ला ने अंतरिक्ष से दिल को छू लेने वाला संदेश भेजा जिसने लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने संदेश में उन्होंने कहा “ आप सभी को अंतरिक्ष से नमस्कार ! मैं यहां बिल्कुल बच्चे की तरह सब कुछ सीख रहा हूं।” भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर बारीकी से नजर रखने वाले वैज्ञानिक ड़ॉ आर सी कपूर ने कहा कि डॉकिंग एक नाजुक ऑपरेशन है।

अक्टूबर-नवम्बर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करोड़ की परियोजनाओं की शुरुआत की, जिनमें वंदे भारत ट्रेन और निर्यात-योग्य लोकोमोटिव शामिल हैं। इसे एनडीए की चुनावी तैयारी का हिस्सा माना जा रहा है।

उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल पर डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया और भाजपा को सामाजिक न्याय के पक्षधर के रूप में प्रस्तुत किया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव की कथित गड़बड़ियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भाजपा बिहार में चुनावी ''मैच-फिक्सिंग'' की कोशिश कर सकती है।

अलीनगर से भाजपा विधायक मिश्री लाल यादव को 2019 के एक हमले के मामले में दोषी पाए जाने पर 20 जून को अयोग्य घोषित कर दिया गया। बिहपुर से भाजपा विधायक इंजीनियर शैलेन्द्र ने उस समय विवाद खड़ा कर दिया, जब उन्होंने कहा कि वे मुस्लिम वोट लेकर जीतने के बजाय हारना पसंद करेंगे।

भाजपा 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों के लिए आक्रामक तैयारी कर रही है। संगठनात्मक ढांचे को मजबूत कर रही है, रणनीतिक जातीय नेताओं को आगे बढ़ा रही है, और प्रधानमंत्री मोदी के हाई-प्रोफाइल अभियान का लाभ उठा रही है।

हालाँकि पार्टी को लॉजिस्टिक लाभ हैं, लेकिन घटता वोट शेयर, सहयोगियों के साथ तालमेल की चुनौती, कानूनी झटके (जैसे विधायक की अयोग्यता), और विवादास्पद बयानों से भाजपा की छवि को नुकसान पहुँच सकता है।

‘अगले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ट्रंप के दावे को और अधिक विस्तार के साथ सामने रखा। रुबियो ने कहा कि एक ''कन्वर्ज़न सुविधा'' - जो परमाणु ईंधन को उस रूप में बदलने के लिए अति महत्वपूर्ण होती है, जो रुप परमाणु हथियार बनाने के लिये जरुरी है, नष्ट कर दी गई है। इज़रायल ने भी ट्रंप के दावों का समर्थन करते हुए एक बयान जारी किया।

सैटेलाइट तस्वीरों में भारी तबाही देखी जा सकती है, लेकिन उस स्थल पर या किसी अन्य स्थान पर उसके फिर से निर्माण में कितना समय और संसाधन लगेंगे, यह जान पाना तब तक असम्भव है, जब तक कि अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरीक्षकों को वहां पहुँचने की अनुमति नहीं दी जाती।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दूर भले ही हो गए हों, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने मुख्य मंच की जगह कीबोर्ड को चुन लिया है और डिजिटल विद्रोही बन गए हैं तथा ईरान की ''जीत'' पर गर्व करते हुए, वाई-फाई की मदद से ''एक्स'' पर तीखी प्रतिक्रियाएँ दे रहे हैं। खामनेई ने गुरुवार को लिखा, ''इस्लामिक गणराज्य ने अमेरिका के गाल पर एक जोरदार तमाचा मारा। ईरान ने अल-उदीद एयर बेस पर हमला किया और उसे नुकसान पहुँचाया, जो इस क्षेत्र में एक प्रमुख अमेरिकी बेस है।'' सर्वोच्च नेता ने ईरान के आम नागरिकों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा, ''यह तथ्य काफी महत्वपूर्ण है कि इस्लामिक गणराज्य की इस क्षेत्र के अमेरिकी केन्द्रों तक पहुँच है और जब भी इसे आवश्यक लगेगा, कार्रवाई कर सकता है। ऐसी कार्रवाई भविष्य में भी दोहराई जा सकती है। यदि कोई आक्रमण होता है, तो दुश्मन को उसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।''

उन्होंने लिखा, ''हमारे प्यारे ईरान की अमेरिकी सत्ता पर जीत के लिए मेरी बधाई।'' ''अमेरिकी शासन सीधे ही युद्ध में इसलिए उतरा, क्योंकि उसे लगा कि अगर वह ऐसा नहीं करेगा, तो यहूदी राज पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। वह युद्ध में यहूदी राज को बचाने के प्रयास में उतरा था, लेकिन कुछ हासिल नहीं कर सका।'' आक्रामक स्वर को जारी रखते हुए, उन्होंने आगे कहा, ''उस सारी हलचल और सभी दावों के साथ, यहूदी राज को व्यावहारिक रूप से इस्लामिक गणराज्य के प्रहारों ने हरा दिया और कुचल दिया।'' उन्होंने एक पोस्ट की शुरुआत करते हुए देशवासियों को ''अनैतिक यहूदी शासन पर विजय'' की बधाई दी।

खामनेई के ये ऑनलाइन बयान एक नाजुक और विवादास्पद युद्ध विराम के बीच सामने आए हैं, जिसकी मध्यस्थता अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने की, एक ऐसी उथल-पुथल के बाद, जिसमें इज़रायली और अमेरिकी सेनाओं ने मिलकर ईरान के तीन प्रमुख परमाणु केन्द्रों पर बमबारी की थी। ईरान ने कतर में एक अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला करके उसका जवाब दिया, जिसे तेहरान ने एक सफल प्रतिशोध के रूप में सराहा। हालांकि ईरानी नेता की ऑनलाइन बयानबाजी जोरों पर है, लेकिन वे सार्वजनिक परिदृश्य से गायब हैं। सरकारी मीडिया ने युद्ध की शुरुआत के बाद से उनकी कोई भी तस्वीर या फुटेज जारी नहीं की है। ''रॉयटर्स'' के अनुसार, खामनेई के करीबी अधिकारियों का कहना है कि उन्हें एक गुप्त भूमिगत बंकर में ले जाया गया है और वे संभावित हत्या के प्रयासों से बचने के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दूरी बनाये हुये हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कथित रूप से इस संभावना को खारिज नहीं किया है कि खामनेई को निशाना बनाया जा सकता है, जबकि ट्रंप ने कथित रूप से, ऐसा कदम न उठाने की सलाह दी थी। जैसा कि न्यूयॉर्क टाइम्स ने रिपोर्ट किया है।

रिपोर्टों के अनुसार, ईरानी सरकार के शीर्ष अधिकारी भी सर्वोच्च नेता से सीधे संपर्क नहीं कर पा रहे हैं।

मंगलवार को, ईरान के सरकारी टेलीविजन पर एक प्राइम टाइम इन्टरव्यू के दौरान, एक एंकर ने खामनेई के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी मेहदी फाजेली से उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछा, ''लोग सर्वोच्च नेता के बारे में बहुत चिंतित हैं। क्या आप हमें बता सकते हैं कि वे कैसे हैं?'' एंकर ने पूछा। फाजेली ने प्रश्न को टालते हुए केवल इतना कहा, ''हमें सभी को प्रार्थना करनी चाहिए। जिन लोगों को सर्वोच्च नेता की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है, वे अपना काम कर रहे हैं।'' तेहरान में सप्ताहांत के दौरान, अमेरिका और इज़रायल विरोधी प्रदर्शनों में महिलाएं खामनेई की तस्वीरें लिये हुये दिखाई दीं।

उनके समर्थन का यह प्रदर्शन उनकी अनुपस्थिति के बावजूद हुआ, और खामनेई की ओर से उन्हें ऐसा कोई संदेश या सीधा मार्गदर्शन नहीं मिला था।

ईरानी अखबारों ने भी चिंता जतानी शुरू कर दी है। दैनिक ''खानेमैन'' के संपादक मोहसिन खलीफेह ने कहा, ''उनकी (खामनेई) कई दिनों की अनुपस्थिति ने हम सभी को, जो उन्हें प्यार करते हैं, बहुत चिंतित कर दिया है।'' उन्होंने आगे कहा, ''अगर खामनेई मर चुके होते, तो उनका अंतिम संस्कार बहुत शानदार और ऐतिहासिक होता।''

''रॉयटर्स'' के अनुसार, बढ़ते हुए असमंजस को और बढ़ाते हुए, खामनेई द्वारा बनाई गई तीन धर्मगुरुओं की कमेटी, जिसे उनका उत्तराधिकारी चिन्हित करना था, ने भी अपने काम की गति तेज कर दी है।

ईरान के एक शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ने एजेंसी को बताया कि खामनेई अब इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स की विशेष सैन्य इकाई, ''वली-ये-अम्र'' के संरक्षण में हैं और अपने परिवार के साथ छुपे हुए हैं। 13 जून को इज़रायल द्वारा शुरू किया गया हवाई हमला ईरान के सैन्य नेतृत्व को भारी नुकसान पहुँचाने में सफल रहा, जिसमें कई शीर्ष कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई, जिसे पश्चिम एशिया के इतिहास में सबसे उल्लेखनीय और बड़ा कदम माना जा रहा है। ईरान ने जवाबी हमले में पहली बार इज़रायल की उन्नत हवाई रक्षा प्रणालियों को बड़ी संख्या में नष्ट करने में सफलता प्राप्त की। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि हमलों के परिणामस्वरूप, उनकी सीमा के भीतर 627 लोग मारे गये और लगभग 5,000 घायल हुए हैं। हालांकि, इस कथन का स्वतंत्र सत्यापन कठिन है, क्योंकि मीडिया तक पहुंच पर कड़ी पाबंदियाँ हैं। इज़रायल में अधिकारियों ने 28 मौतों की पुष्टि की है।

संविधान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, ''न्यायाधीश को हमेशा यह याद रखना चाहिए कि हमारा कर्तव्य है, और हम नागरिकों के अधिकारों तथा संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास सिर्फ अधिकार नहीं, बल्कि एक दायित्व भी है,'' उन्होंने कहा। ''हमें स्वतंत्र रूप से सोचना चाहिए। लोग क्या कहेंगे, यह हमारे निर्णय की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बनना चाहिए।''

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908